

जूट हस्तशिल्प और बैग निर्माण पर कौशल विकास प्रशिक्षण

13 जून, 2024, कोलकाता

एटीएमए, कटिहार, बिहार द्वारा प्रायोजित “जूट हस्तशिल्प और बैग के निर्माण” पर सात दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण 07-13 जून, 2024 के दौरान आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता में आयोजित किया गया।

निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने जूट फाइबर के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और उससे विविध मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण के लिए संस्थान द्वारा विकसित की गई हाल की तकनीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जूट उत्पादकों की आजीविका में सुधार के लिए विभिन्न विस्तार गतिविधियों के निष्पादन के लिए एटीएमए, कटिहार के साथ भविष्य में सहयोग पर जोर दिया।

जूट उत्पादकों की आजीविका में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग के प्रमुख डॉ. एल.के. नायक ने जूट और संबद्ध रेशों में प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण गतिविधियों और उद्यमिता विकास के बारे में जानकारी दी।

श्री एस.के. झा, उप निदेशक, एटीएमए, कटिहार ने तकनीकी हस्तक्षेप, समर्थन और मार्गदर्शन के संदर्भ में बिहार के जूट उत्पादकों की बेहतरी के लिए आईसीएआर-एनआईएनएफईटी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की है।

इस शुभ अवसर पर, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एक प्रशिक्षण मैनुअल का विमोचन किया गया और भविष्य के सहयोग कार्य के लिए आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता और एटीएमए, कटिहार बिहार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस प्रशिक्षण में जूट की खेती और प्रसंस्करण से जुड़े तीस (30) किसानों और एटीएमए, कटिहार, बिहार का प्रतिनिधित्व करने वाले दो (02) अधिकारियों ने भाग लिया है।

(स्रोत: भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

Skill Development Training on Manufacture of Jute Handicrafts and Bag

June 13, 2024, Kolkata:

A seven days skill development training on “Manufacture of jute handicrafts and Bags” sponsored by ATMA, Katihar, Bihar was organized at ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata during June 07-13, 2024.

Dr. D. B. Shakyawar, Director has congratulated all the participants for successful completion of the training programme. He has highlighted upon the recent technologies developed by the institute for quality production of jute fiber and manufacture of diversified value-added products there from. He has emphasized upon the future collaboration with ATMA, Katihar for execution of various extension activities for the improvement of livelihood of jute growers.

Dr. L.K. Nayak, Head, Transfer of Technology Division has briefed about the transfer of technology activities and entrepreneurship development through processing & value addition in jute & allied fibres.

Mr. S.K. Jha, Deputy Director, ATMA, Katihar has appreciated the work done by the ICAR-NINFET for betterment of jute growers of Bihar in terms of technological intervention, support and guidance.

On this auspicious occasion, a training manual was released by the dignitaries and an MoU was signed between ICAR-NINFET, Kolkata and ATMA, Katihar Bihar for future collaboration work.

The training programme was ended with hearty vote of thanks from Er. H. Baite, Scientist & Coordinator of the training.

Thirty (30) farmers associated with jute cultivation and processing and two (02) officials representing ATMA, Katihar, Bihar have participated in this training.

Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata.

Glimpses of the programme



Dr. D.B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET address to the participants



Dr. L.K. Nayak, Head TOT address to the participants



Official released of training Manual



MoU between ICAR-NINFET and ATMA, Katihar, Bihar



Certificate distribution to the participants



Trainees' participants with